

6-3/18

पत्रावली (पत्र सं. 1) के अनुसार प्रीतिन समिति।  
 ए.ए.ए. प्रीतिन के विभाजन व वरीय लेखन दिने जहाँ बाका  
 रिपोर्ट जाका ई। प्रगत रिपोर्ट के अनुसार न्यायालय  
 द्वारा निर्णय एवं डिडी रिपोर्ट के पारित की जाती।  
 पारित डिडी के वादीगण के साथ के लेख, जज्जु, व  
 मोहन तथा प्रतिवादी के साथ के देवीलाल, नानाप्रण,  
 सीमती कमल, जोशी, कृपालाल, व जोशी पक्षकार की  
 तथा राजनय के साथ के श्री. देवतेवास की वृत्तिगत के  
 एक लेख के जिम्मेदार ताई प्रकृत राजनय वृत्तिगत  
 जमावड़ी की नकल संख्या 206 सं. 2065 के होती है।  
 जिके अनुसार ही निर्णय एवं डिडी रिपोर्ट 12-5-18 के  
 विभाजन व वरीय लेखन दिने जहाँ बाका पारित की जाती।  
 प्रिनु के साथ वाड पत्र के विचारार्थी रहते हुए  
 प्रतिवादी सं. 1 के पक्षकार तथा हिंसा कंपनी सं. 510  
 बांधे अपर लाल सं. 1 के केचार कर दिना। तथा वर  
 वाड पत्र के पक्षकार नहीं है। ऐसी विचार के पक्षकार  
 नहीं होने के न्यायालय द्वारा पारित निर्णय एवं  
 डिडी की पालना नहीं है। वरीयता के कारण वादी  
 द्वारा जारी जाती दादरमी की वादी प्रगत नहीं कर  
 के कारण। वरु कारण वादी जब तक वाड पत्र के प्रतिवादी  
 जण सं. 1 के द्वारा केचार की जाती बांधे के  
 खेतीदार के पक्षकार नहीं बनता जाता। जब तक  
 वाड पत्र के विचारार्थी रहना अवधि प्रीति  
 नहीं होता है। ततः न्याय दिने के वादी का वाड  
 पत्र आवश्यक पक्षकार होने पर वाड पत्र के पक्षकार  
 नहीं बनते जहाँ के कारण वादी का वाड पत्र  
 आवश्यक पक्षकार के कारण के वरीय दिना जाता है।  
 पत्रावली के माध्यम से जहाँ वरु कारण वरीयता

उपखण्ड अधिकारी  
 नीलवाड़ा (राज.)